

आ आदिवासी को रचनात्मक संस्कृति में उनके अमूल्य उर्हने बताया कि आश्रम के पास 11.20 करोड़ से पर्यटन सुविधा केंद्र का निर्माण भी लागू हो रहा है। इसके अलावा अयोध्या स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम के पर्यटन विकास के लिए 107.48 लाख और इटावा के बेला गांव स्थित प्राचीन वाल्मीकि मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 83.17 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

श्री गणेश पूजन के साथ रामलीला महोत्सव में नारदमोह और मायानगरी का भव्य मंचन

भक्तिमय वातावरण में गूँजे जय श्रीराम के जयकारे, कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को किया भावविभोर

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा ट्रांस यमुना कॉलोनी फेज-2 स्थित श्री रामलीला पार्क में रविवार, को श्री रामलीला महोत्सव के अंतर्गत धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश जी के विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके पश्चात श्री बाल हनुमान आदर्श रामलीला मण्डल, मथुरा-वृन्दावन के कलाकारों द्वारा नारदमोह और मायानगरी के प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया। रामलीला मंचन प्रभारी पं. दिनेश चन्द शास्त्री के मार्गदर्शन में कलाकारों ने अपनी अभिनय कला, प्रभावशाली संवाद और आकर्षक प्रस्तुति के माध्यम से धार्मिक प्रसंगों को जीवंत कर दिया। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय रहा और जय श्रीराम के जयकारे गूँजते रहे। *नारदमोह के प्रसंग से मिला अहंकार त्यागने का संदेश* भगवान श्री गणेश जी की आराधना के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रामलीला के दौरान नारदमोह के प्रसंग के माध्यम से यह



संदेश दिया गया कि मनुष्य को अपने ज्ञान, उपलब्धियों और सामर्थ्य पर कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। अहंकार व्यक्ति की विवेक शक्ति को प्रभावित करता है, जबकि विनम्रता, संयम और प्रभु के प्रति समर्पण जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को धार्मिक प्रसंग की सीख ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। मायानगरी के प्रसंग में संसार की माया, आकर्षण और मोह के प्रभाव



को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। मंचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, सदाचार और आत्मचिंतन का संदेश दिया गया। श्री बाल हनुमान आदर्श रामलीला मण्डल, मथुरा-वृन्दावन के कलाकारों की प्रस्तुति, संवाद और अभिनय ने रामलीला के वातावरण को और अधिक आकर्षक बना दिया। उपस्थित दर्शकों ने धार्मिक मंचन का आनंद लिया और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

श्री रामलीला महोत्सव भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने

का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ ही सत्य, धर्म, मयार्दा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

आज होगा श्रीराम जन्मोत्सव, विष्वामित्र आगमन और ताड़का वध का मंचन

श्री रामलीला महोत्सव में सोमवार, 26 अक्टूबर 2026 को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव, महर्षि विश्वामित्र के आगमन और ताड़का वध के प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। श्रीराम जन्मोत्सव

के माध्यम से प्रभु श्रीराम के अवतरण की खुशियां प्रस्तुत की जाएंगी। इसके बाद महर्षि विश्वामित्र के आगमन तथा उनके साथ श्रीराम-लक्ष्मण के प्रस्थान से जुड़े प्रसंगों का मंचन होगा। वहीं, ताड़का वध के दृश्य के माध्यम से धर्म की अधम पर विजय और समाज की रक्षा का संदेश दिया जाएगा। ये धार्मिक प्रसंग रामलीला महोत्सव के प्रमुख आकर्षण रहेंगे।

गणमान्य लोगों की रही उपस्थिति* कार्यक्रम में श्री रामलीला महोत्सव के संस्थापक बालकिशन गुप्ता, प्रदीप शर्मा, कृष्णवीर सिंह सिकरवार, अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद पाठक, डॉ. नौनीहाल कुशवाह, ओमप्रकाश कुशवाह, वीरेंद्र चौधरी, पदम सिंह सिकरवार, शेर सिंह कुशवाह, देवेंद्र गुप्ता, लक्ष्मीकांत उपाध्याय, राकेश सिंह चौहान, नागेंद्र जादौन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने धार्मिक आयोजन के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। रामलीला महोत्सव के माध्यम से धार्मिक परंपराओं, भारतीय संस्कृति और सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया।

क्षत्रिय स्वर्णकार महासभा के वार्षिक अधिवेशन में प्रतिभाओं और वरिष्ठजनों को किया सम्मानित



○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

■ सम्मेलन में युवक-युवतियों ने दिया विवाह के लिए परिचय, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने गोला गोल

दिया। सम्मेलन में युवक-युवतियों के साथ आए परिजनों ने भी एक-दूसरे के परिवारों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेलकूद, नृत्य, गायन और वादन का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

महासचिव महेश वर्मा और कोषाध्यक्ष सुधीर वर्मा ने बताया कि ऐसे आयोजन समाज के परिवारों को एक मंच पर लाने के साथ ही युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की

परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेधावी सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही 80 वर्ष से अधिक आयु के महिला एवं पुरुष वरिष्ठजनों को वयोवृद्ध सम्मान प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

भावी पीढ़ी को बनायें संस्कारित

सुचना व प्रसारण सचिव राजेंद्र सिंह ने बताया कि अधिवेशन में मंच से आपसी सहयोग, सामाजिक समरसता और भावी पीढ़ी को शिक्षित एवं संस्कारित बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। अतिथियों का स्वागत उपाध्यक्ष अवदेश सिंह चंदेल और उपसचिव जयप्रकाश वर्मा ने किया। अंत में राजेंद्र सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनिल वर्मा, वीरेंद्र वर्मा, जितेंद्र सिंह वर्मा, अरविंद परिहार, सुरेंद्र जादौन, राजेंद्र दत्तैले, चंद्रगुप्त वर्मा, वीर प्रकाश वर्मा, सतीश चंद्र वर्मा, संतोषी लाल आदि मौजूद रहे।

शैक्षिक भ्रमण पर जयपुर पहुंचे उपाध्याय पैरामाउंट कोचिंग के विद्यार्थी

हवा महल, जंतर-मंतर, साइंस पार्क सहित ऐतिहासिक व वैज्ञानिक स्थलों का किया अवलोकन



○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

उपाध्याय पैरामाउंट कोचिंग, आगरा के विद्यार्थियों ने व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने और ऐतिहासिक धरोहरों को करीब से समझने के लिए जयपुर का शैक्षिक भ्रमण किया। संस्थान के डायरेक्टर डा. सुनील उपाध्याय और पलाश अग्रवाल के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने अल्बर्ट हॉल संग्रहालय, साइंस पार्क, बिरला मंदिर, हवा महल और जंतर-मंतर का भ्रमण किया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने राजस्थान की समृद्ध स्थापत्य कला, ऐतिहासिक विरासत और वैज्ञानिक मॉडलों को करीब से देखा। जंतर-मंतर पर प्राचीन भारतीय खगोल विज्ञान की जानकारी प्राप्त की, वहीं साइंस पार्क में विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों को समझा। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना रहा।

डा. सुनील उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक

सीमित नहीं है। इस तरह के शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भ्रमण में ख्याति वर्मा, चित्रांशु गौतम, शौर्य गोयल, दिव्यांशी, गीतांशी निगम, मिताली जिंदल, वैभव सिंह, हनु त्यागी, दिव्या सोलंकी, खुशबू और अनुज उपाध्याय सहित अन्य विद्यार्थी शामिल रहे।

थाना हाईवे पुलिस ने दबोचा टप्पेबाज सोने चांदी के आभूषण बरामद

- टप्पेबाजी और धोखाधड़ी से ठगे 30 लाख के जेवर बरामद
- सोवेल मीडिया पर महिलाओं से संपर्क कर बनाता था गिरोह
- आरोपी पर अलग जिलों में गौ दर्ज है तीन मुकदमों

○ टीएनएफ टुडे, मथुरा।

थाना हाईवे क्षेत्रान्तर्गत टप्पेबाजी/धोखाधड़ी करके सोने चाँदी के जेवरात की ठगी करने वाले अभियुक्त को सोने चाँदी के जेवरात कुल अनुमानित कीमत तीस लाख रुपये सहित गिरफ्तार किया गया । थाना हाईवे पुलिस टीम ने माल गोदाम रोड मथुरा से अभियुक्त लोकेन्द्र पुत्र लक्ष्मण निवासी नगला सुखा थाना मुरसान जनपद हाथरस उम्र करीब 32 वर्ष सम्बन्धित मु0अ0स0 1044/2026 धारा 3 1 8 (4) / 3 1 7 (2) बी0एन0एस0 को टप्पेबाजी/धोखाधड़ी से प्राप्त सोने-चाँदी के जेवरात सहित गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध थाना हाईवे से आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। पुलिस के अनुसार पिछले माह नौ तारीख को वादिया के लिखित



प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना हाईवे पर 1044/2026 धारा 318(4)/317(2) बीएनएस बनाम लोकेन्द्र के विरुद्ध पंजीकृत किया गया जिसमें उच्चाधिकारीगणों के आदेशानुसार कार्यवाही करते हुए अभियुक्त लोकेन्द्र की पतारसी सुरागरसी की कड़ी । रविवार को समय 13.44 बजे मुखबिबर की सूचना पर अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अभियुक्त पहले सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं से संपर्क करता था इसके बाद महिलाओं को उनके पति एवं परिवार के अन्य सदस्यों के विरुद्ध भड़काकर उनके पारिवारिक सम्बन्धों में अविश्वास पैदा करके महिलाओं

को डराकर एवं गुमराह कर धोखाधड़ी के माध्यम से उनके कीमती आभूषण ठग लेता था। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त से एक पीली धातु कण्ठी मय चैन जिस पर फूलनामा आकृति, एक पीली धातु अंगूठी जिस पर पीछे अन्दर की तरफ अंग्रेजी में टर अंकित है,एक जोड़ी पीली धातु कान के टॉप्स यू आकार के है आदि बरामद किए।

अभियुक्त उपरोक्त पर अन्य जनपद में तीन मुकदमा दर्ज हैं। अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम के सदस्यों में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार निर्वाल, निरीक्षक तेजवीर सिंह, उनि रोहित उज्जवल, उनि उमंग त्यागी आदि शामिल थे।

गृहकलह में महिला ने खाया जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर

सहावर। थाना क्षेत्र के गांव खुदताल में पारिवारिक कलह के चलते एक महिला ने खोफनाक कदम उठा लिया। शनिवार की रात गृह क्लेश से तंग आकर 40 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

घटना शनिवार रात करीब 8:30 बजे की है। सहावर थाना क्षेत्र के गांव खुदताल निवासी कुसुम (40 वर्ष) पत्नी हरिश्चंद्र के घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। महिला के देवर हरि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि घर में चल रहे गृह क्लेश के चलते भाभी कुसुम ने मानसिक तनाव में आकर अचानक जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जहर शरीर में फैलते ही उनकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी, जिससे परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

घटना के तुरंत बाद परिजन बिना देर किए रात करीब 9:00 बजे कुसुम को लेकर जिला अस्पताल कासगंज (मामो) पहुंचे। यहां आपातकालीन कक्ष में मौजूद चिकित्सकों ने फौरन उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया।



2026 (सोमवार) को प्रातः 08:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक पुनर्मतदान संपन्न कराया जाएगा।

जिन तीन मतदेय स्थलों पर सोमवार को दोबारा वोट डाले जाएंगे, उनमें मतदेय स्थल संख्या-20 (तहसील कैपस खेरागढ़ कक्ष संख्या-01), मतदेय स्थल संख्या-21 (क्षेत्र पंचायत कार्यालय सैंगा कक्ष संख्या-01) तथा मतदेय स्थल संख्या-26 (क्षेत्र पंचायत कार्यालय फतेहाबाद कक्ष संख्या-01) शामिल हैं। प्रशासन द्वारा इन सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी पुनर्मतदान संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

अपर्णा प्रेम फाइटर्स फाइनल में, एंथम वॉरियर्स को 14 रन से हराया

इंटर सोसाइटी लीग की एक नवंबर को होगी खिताबी भिड़ंत



○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

ब्रजमोहन बंसल की स्मृति में आयोजित धूम पायल प्रस्तुत आगरा इंटर सोसाइटी लीग के पहले सीजन में अपर्णा प्रेम फाइटर्स ने फाइनल में प्रवेश कर लिया है। रविवार को चाहर क्रिकेट ग्राउंड, मघटई पर खेले गए क्वालिफायर-2 में टीम ने एंथम वॉरियर्स को 14 रन से हराया। इससे पहले अपर्णा प्रेम फाइटर्स ने एंथेला अवतारस को टूनमेंट से बाहर किया था। अब खिताबी मुकाबले में उसका सामना क्वालिफिकेशन अनप्रिडिक्टेबल्स से होगा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए अपर्णा प्रेम फाइटर्स ने आठ विकेट पर 168 रन बनाए। पुष्पाज नेगी ने 41 गेंदों पर 40 रन बनाए, जबकि देवेंद्र सिंह ने 15 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 28 रन जोड़े। सतीश पाठक ने 17 और आशीष राजपूत ने 18 रन का योगदान दिया। अंतिम ओवरों में देवेश शर्मा ने 13 गेंदों पर तीन छक्कों और एक चौके की मदद से नाबाद 36 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। एंथम वॉरियर्स की ओर से विवेक ने तीन और कप्तान निकू ने दो विकेट लिए। 169 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एंथम वॉरियर्स की टीम

निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 154 रन ही बना सकी। प्रभु ने 16 गेंदों पर 31 रन बनाकर तेजी से रन बटोरे। केसी और गौरव गुप्ता ने 21-21 रन, सहवाग ने 16 और कृष् जैन ने 14 रन बनाए। हालांकि नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

अपर्णा प्रेम फाइटर्स की ओर से आशीष राजपूत ने दो विकेट लिए। देवेश शर्मा, ऋषि पाल सिंह, सतीश पाठक और कपिल सोलंकी को एक-एक विकेट मिला। देवेश ने गेंदबाजी में भी प्रभाव छोड़ा और चार ओवर में 23 रन देकर एक विकेट हासिल

किया। बल्ले और गेंद से उनके प्रदर्शन ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ अपर्णा प्रेम फाइटर्स ने लगातार दो नॉकआउट मुकाबले जीतकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अक्ख के पहले सीजन का फाइनल रविवार, 1 नवंबर को दोपहर 12 बजे चाहर क्रिकेट ग्राउंड, मंगई, आगरा में अपर्णा प्रेम फाइटर्स और क्वालिफिकेशन अनप्रिडिक्टेबल्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ट्रांफी के लिए होने वाले इस मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है।

चाँदनी रात और साहित्य की त्रिवेणी: देवनागरी संस्था द्वारा ‘शरद पूर्णिमा काव्य महोत्सव’

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

संस्कृत और हिंदी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार को समर्पित 'देवनागरी' साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, आगरा के तत्वावधान में कार्तिकारम्भ के अंतर्गत 'हृदयंगमत106' के रसानंद में एक बेहद भव्य और आकर्षक 'शरद पूर्णिमा काव्य महोत्सव' का आयोजन किया गया। सिकंदरा-बोदला रोड स्थित निखिल बुक कैफे में आयोजित इस साहित्यिक अनुष्ठान में शहर के तमाम नामचीन कलमकारों, साहित्यकारों और पत्रकारों ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

3 मतदेय स्थलों पर आज होगा पुनर्मतदान

- भारत निर्वाचन आयोग ने जारी किया आदेश
- खेरागढ़, सैंया और फतेहाबाद के 3 बूथों पर 23 अक्टूबर को हुआ मतदान तून्वा घोषित, सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक डाले जाएंगे वोट

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत जनपद के तीन मतदेय स्थलों पर 23 अक्टूबर को हुए मतदान को भारत निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 58अ (2) (') के तहत शुन्य घोषित कर दिया है। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने जानकारी दी है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के पत्र के अनुक्रम में इन तीनों बूथों पर कल 26 अक्टूबर 2026 को पुनः मतदान कराया जाएगा। पुनर्मतदान की प्रक्रिया सुबह 8:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक संचालित होगी। पुनर्मतदान हेतु निर्धारित किए गए केंद्रों में मतदेय स्थल संख्या-20 (तहसील कार्यालय खेरागढ़ कक्ष-1), मतदेय स्थल संख्या-21 (क्षेत्र



पंचायत कार्यालय सैंया कक्ष-1) तथा मतदेय स्थल संख्या-26 (क्षेत्र पंचायत कार्यालय फतेहाबाद कक्ष-1) शामिल हैं। शासन के सामान्य प्रशासन अनुभाग के निदेशों के तहत इन तीन मतदेय स्थलों की मतदाता सूची में पंजीकृत बोनाफाइड शिक्षक मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करने के लिए कल 26 अक्टूबर को विशेष आकस्मिक अवकाश प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त, निष्पक्ष व सुचारू मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के उद्देश्य से इन तीनों भवनों को पुनर्मतदान की समाप्ति तक अधिग्रहित कर लिया गया है, जिससे वहां नियमित कार्यालय या शिक्षण कार्य संचालित नहीं होंगे।

आगरा खंड स्नातक चुनाव: 12 जिलों के परिणामों को लेकर उत्सुकता

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के बाद अब प्रत्याशियों के प्रदर्शन को लेकर चर्चाएं जारी हैं। भाजपा, समाजवादी पार्टी और निर्दलीय प्रत्याशी अंबरीश पाल सिंह के बीच मुकाबले को लेकर विभिन्न क्षेत्रों से अलग-अलग आकलन सामने आ रहे हैं। हालांकि, इन आकलनों की पुष्टि आधिकारिक मतगणना के बाद ही हो सकेगी। इस निर्वाचन क्षेत्र में आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, एटा, मैनपुरी, इटावा, फर्रुखाबाद, कासगंज, हाथरस, औरैया और कन्नौज सहित 12 जिले शामिल हैं। इन जिलों में मतदान का रूझान और स्थानीय परिस्थितियां चुनाव परिणाम के आकलन के महत्वपूर्ण पहलू हैं। स्थानीय चर्चाओं में औरैया, कन्नौज और मैनपुरी में समाजवादी पार्टी की स्थिति को लेकर आकलन सामने आए हैं, जबकि इटावा में भाजपा, सपा और निर्दलीय प्रत्याशी के बीच मुकाबले की चर्चा है। निर्दलीय प्रत्याशी अंबरीश पाल सिंह को शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं का समर्थन मिलने के दावे भी किए जा रहे हैं। हालांकि, इन दावों की पुष्टि करने वाला कोई सत्यापित सार्वजनिक



सर्वेक्षण उपलब्ध नहीं है। इटावा के चकरनगर, बकेवर, भरथना, जसवंतनगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय कार्यकर्ताओं की सक्रियता और मतदाताओं से संपर्क की चर्चा रही। अन्य जिलों में भी चुनावी गतिविधियों और स्थानीय समीकरणों को लेकर अलग-अलग आकलन किए जा रहे हैं। फिलहाल, उपलब्ध जानकारी के आधार पर किसी प्रत्याशी की स्थिति या जीत-हार के संबंध में निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। मतगणना के बाद ही प्रत्याशियों को मिले मतों, उनके बीच अंतर और जिलेवार रूझानों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। निर्वाचन क्षेत्र के सभी 12 जिलों के परिणाम सामने आने के बाद ही चुनावी तस्वीर का समग्र आकलन संभव होगा।

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

 tnftoday

 tnftoday

www.tnftoday.com / epaper



अनुष्ठानों और सांस्कृतिक परंपराओं में शरद पूर्णिमा का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। यह पर्व ठीक उसी तरह है जैसे प्रकृति के संवर्द्धन और

उसकी रक्षा का श्रीगणेश किया जा रहा हो।

इससे पूर्व, कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन के

आगरा

आगरा, सोमवार

26 अक्टूबर 2026

3

विवि के शताब्दी वर्ष पर होगा 3 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ICMRP-2026 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक 'सतत विकास एवं नवाचार' थीम पर आयोजित होगा बहुविषयक सम्मेलन

- कुलपति प्रो. आशु रानी की उपस्थिति में खंदरी परिसर में जारी हुआ आधिकारिक पोस्टर
- कोशांबी फाउंडेशन और विरवविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा गव्य आयोजन

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के ऐतिहासिक शताब्दी वर्ष के गौरवमयी अवसर पर आगामी 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक तीन दिवसीय तृतीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'ऑन मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड प्रैक्टिस' (कन्स्टपेह्-2026) का भव्य आयोजन किया जाएगा। माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी जी के संरक्षण में आयोजित हो रहे इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मुख्य थीम “ Sustainable & Innovation (सतत विकास एवं नवाचार) रखी गई है। स्वामी विवेकानंद खंदरी परिसर स्थित जे.पी. सभागार में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन के आधिकारिक पोस्टर का भव्य



विमोचन कुलपति प्रो. आशु रानी, कोशांबी फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्य चौधरी, डीएसडब्ल्यू प्रो. बी.एस. शर्मा, प्रो. शरद उपाध्याय, उप कुलसचिव कैलाश बिंद, डॉ. रवि शेखर, डॉ. मोनिका अस्थाना, डॉ. स्वेतलाना और डॉ. गौरव राजौरिया सहित अन्य गणमान्य शिक्षाविदों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

अंतरराष्ट्रीय शोध और नवाचार का बनेगा साझा मंच:

पोस्टर विमोचन के अवसर पर कोशांबी फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्य चौधरी ने सम्मेलन

की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि ICMRP-2026 को एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मंच के रूप में विकसित किया जा रहा है।

इसके माध्यम से विज्ञान एवं

प्रौद्योगिकी, फार्मेसी, चिकित्सा व स्वास्थ्य, कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, नैनो टेक्नोलॉजी, प्रबंधन, आईटी, पर्यावरण, शिक्षा, सामाजिक विज्ञान और इतिहास जैसे विविध बहुविषयक क्षेत्रों के शोधकर्ताओं को अपने नवीन विचार व शोधपत्र प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने देशभर के विश्वविद्यालयों, शोध संस्थाओं,

फार्मेसी एंड पैरामेडिकल साइंसेज, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि विज्ञान विभाग तथा नीलम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस एंड हॉस्पिटल के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

आयोजकों ने बताया कि हाइब्रिड (ऑफलाइन व ऑनलाइन) माध्यम होने से विदेशों और देश के दूर-दरज हिस्सों के प्रतिभागी भी इस ऐतिहासिक संवाद का हिस्सा बन सकेंगे। सम्मेलन से जुड़ी विस्तृत जानकारी एवं पंजीकरण हेतु प्रतिभागी आधिकारिक वेबसाइट www.icmrp.com पर विजिट कर सकते हैं।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आज सार्वजनिक अवकाश घोषित

उत्तर प्रदेश शासन ने जारी किया आदेश



○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन अनुभाग द्वारा एक बड़ा निर्णय लेते हुए 26 अक्टूबर 2026 (सोमवार) को प्रदेश भर में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। शासन द्वारा जारी विज्ञप्ति (संख्या-क/1503770/2026) के तहत यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पूर्व में

- पूर्व में घोषित निर्बन्धित अवकाश को संशोधित कर शासन ने दिया सार्वजनिक अवकाश का रूप
- निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के अधीन लागू नहीं होगा रह अवकाश

17 नवंबर 2025 को जारी वार्षिक अवकाश सूची में महर्षि वाल्मीकि जयंती के दिन (26 अक्टूबर 2026) के केवल 'निर्बन्धित अवकाश' दर्ज किया गया था। हालांकि, शासन स्तर पर साम्यक विचार-विमर्श के उपरांत लिए गए निर्णय के अनुसार अब इसे पूर्ण रूप से सार्वजनिक अवकाश में परिवर्तित कर दिया गया है। शासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पूर्व की अवकाश विज्ञप्ति को इस सीमा तक संशोधित माना जाए। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह सार्वजनिक अवकाश 'निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट 1881' (उक्त अूर) के अधीन लागू नहीं होगा। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित होने से अब सोमवार को संबंधित सरकारी कार्यालय एवं संस्थान बंद रहेंगे।

टीएनएफ टुडे

मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड़डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट: www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

मतपेटी की पवित्रता पर डाका, आगरा में रीपोलिंग का मजबूरन फैसला और सत्ता-विपक्ष की राजनीति का कड़वा आईना

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के अंतर्गत आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में हाल ही में संपन्न हुए मतदान के दौरान जो प्रशासनिक और राजनीतिक कोहराम मचा उसने लोकतंत्र की जड़ों को हिलाकर रख दिया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा खेरागढ़ के कक्ष संख्या बीस, सैंया के कक्ष संख्या इक्कीस और फतेहाबाद के कक्ष संख्या छब्बीस यानी कुल तीन महत्वपूर्ण मतदेय स्थलों पर पचीस अक्टूबर को पूर्व मतदान को पूरी तरह शून्य घोषित कर दिया जाना अत्यंत गंभीर विषय है। चुनाव के दिन समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी और उनके कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए बूथ केचरिंग तथा सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के तीखे आरोपों ने सत्ता के गलियारों में खलबली मचा दी थी। यह किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था के माथे पर एक बहुत बड़ा कलंक है कि जहाँ शिक्षकों और प्रबुद्ध वर्ग को अपने मताधिकार का प्रयोग करना था वहाँ जबरदस्ती और हंगामे की तस्वीरें सामने आईं। जब निर्वाचन आयोग को खुद हस्तक्षेप करके उन बूथों के मतदान को रद्द करना पड़े और छब्बीस अक्टूबर को दोबारा वोटिंग कराने का आदेश जारी करना पड़े तो यह जिला प्रशासन की कार्यशैली पर सीधा प्रश्नचिह्न लगाता है। इस पूरे घटनाक्रम में एक और जहाँ समाजवादी पार्टी के लिए यह संदेश छिपा है कि वे केवल हार के डर से हर बार प्रशासनिक रौनो रौने के बजाय अपनी जमीनी पकड़ मजबूत करें। वहीं दूसरी ओर भारतीय राष्ट्रीय जनता पार्टी और सत्ताधारी खेमे को भी यह बात समझनी होगी कि अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए यदि तंत्र का बेजा इस्तेमाल किया जाएगा तो जनता का लोकतंत्र से विश्वास उठ जाएगा। मंडलायुक्त को सौंपी गई जांच रिपोर्ट और पुलिसकर्मियों तथा मतदान अधिकारियों की भूमिका की जांच का आदेश यह साबित करता है कि कहीं न कहीं अंदरखाने तंत्र की मिलीभगत जरूर रही है। पुनर्मतदान कराने का यह निर्णय भले ही आयोग की सख्ती को दर्शाता हो किंतु यह इस बात का भी प्रमाण है कि हमारे यहाँ चुनाव अभी भी पूरी तरह भयमुक्त और निष्पक्ष नहीं हो पा रहे हैं। शिक्षक वर्ग जो समाज को दिशा देने का कार्य करता है यदि उसे ही अपने वोट के लिए संघर्ष करना पड़े तो इससे बड़ी विडंबना इस देश के लिए और कुछ नहीं हो सकती है। आवश्यकता इस बात की है कि छब्बीस अक्टूबर को होने वाले पुनर्मतदान में प्रशासन पूरी सख्ती और पारदर्शिता बरते ताकि किसी भी दल या उपद्रवी तत्व को दोबारा धांधली करने का दुस्साहस न हो सके।

सोशल मीडिया: वरदान या अभिशाप

टीएनएफ टुडे

वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया युवाओं के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। डिजिटल युग ने समाज के हर वर्ग, प्लेटफार्म,क्षेत्र विशेष में अपनी उपलब्धियां दिखाईं हे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और व्हाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने न केवल संचार को आसान बनाया है, बल्कि शिक्षा, रोजगार और मनोरंजन के नए अवसर भी प्रदान किए हैं। जिससे हर हर क्षेत्र का युवा आज युवा सोशल मीडिया के माध्यम से देश-दुनिया की घटनाओं से जुड़ रहे हैं, नई जानकारीयों प्राप्त कर रहे हैं और अपनी प्रतिभा को व्यापक पहचान दिला रहे हैं। लेकिन इसके बढ़ते उपयोग के साथ यह सवाल भी उठने लगा है कि सोशल मीडिया युवाओं के लिए वरदान है या अभिशाप?

सोशल मीडिया के सकारात्मक पक्ष को देखें तो यह ज्ञान और जागरूकता का एक प्रभावशाली माध्यम है। विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन सामग्री प्राप्त कर सकते हैं, विशेषज्ञों से सीख सकते हैं सोशल मीडिया के टूल्स का प्रयोग करकेर ज्ञान को बढ़ा सकते हैं और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, युवा अपने कौशल और रचनात्मकता के माध्यम से रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर भी तलाश सकते हैं। सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूकता फैलाने और जनहित के मुद्दों को उठाने में भी सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है।



अभिषेक शर्मा

हालाँकि, सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग युवाओं के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। घंटों मोबाइल पर रील्स देखने और अनावश्यक सामग्री में समय बिताने से पढ़ाई, नौद और दैनिक जीवन प्रभावित हो सकते हैं। इसका एक महत्वपूर्ण दुष्प्रभाव व्यक्ति की मानसिकता पर प्रभाव डालना भी है जिससे वह मरुत्यु जैसे आत्मघाती कदम उठा रहा है दूसरों की सफलता, जीवनशैली और दिखावे से अपनी तुलना करने के कारण कुछ युवाओं में तनाव और हीनभावना भी उत्पन्न हो सकती रही है इसके साथ ही, फर्जी खबरें, साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और निजी जानकारी का दुरुपयोग डिजिटल दुनिया की गंभीर चुनौतियाँ बन गई है।

सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाने के बजाय इसका संतुलित और जिम्मेदार उपयोग करना आवश्यक है। युवाओं को अपने समय का सही प्रबंधन करना चाहिए और सोशल मीडिया का इस्तेमाल ज्ञान, शिक्षा तथा कौशल विकास के लिए अधिक करना चाहिए। अभिभावकों और शिक्षकों की भी जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को डिजिटल सुरक्षा और सही जानकारी की पहचान के प्रति जागरूक करें। जिससे आने वाले समय में सोशल मीडिया एक अभिशाप न बनकर एक ज्ञानवर्धक, कोशल नीति का पूर्ण साधन सिद्ध हो जिससे युवाओं में कौशल संचार का ज्ञानपूर्ण संवर्धन हो सके।

अभिषेक शर्मा, छात्र सिविल सेवा

योगी की हैट्रिक होगी या सत्ता का गणित बिगड़ेगा?

बृज खंडेलवाल

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ को चुनौती आखिर देगा कौन? चुनावी रणभेरी बजने से पहले ही सियासी गलियारों में यह सवाल गुंजने लगा है। न कोई बड़ा जनआक्रोश दिख रहा है, न विरोधियों के हाथ कोई ऐसा मुद्दा नजर आता है, जिस पर सत्ता-विरोधी लहर खड़ी हो सके। आम आदमी को सबसे पहले चाहिए अमन-चैन, कानून का राज और ऐसी सरकार, जो काम करती दिखाई दे। बाकी वादे और नारे बाद में आते हैं। योगी की सियासत की असली ताकत यही मानी जा रही है। उनकी सरकार का इकबाल कायम है। भ्रष्टाचार के बड़े आरोपों से उनकी निजी छवि पर कोई निर्णायक दाग नहीं लगा, हालांकि विपक्ष समय-समय पर शासन-शैली और चयनित कार्रवाई के सवाल उठाता रहता है। उनकी कार्यशैली ऐसी है कि मंत्री हों या अफसर, सबको अपनी कुर्सी हिलाने का एहसास बना रहता है। दूसरे राज्यों में भी उनके शासन मॉडल की चर्चा होती है।

लेकिन क्या कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक कसावट और मजबूत नेतृत्व का यह तिलिस्म 2027 में भाजपा को लगातार तीसरी जीत दिला पाएगा? या दस साल की सत्ता के बाद बदलाव की चाहत अचांचक करवट लेगी? यही वह अग्निपरीक्षा है, जो योगी की हैट्रिक का रास्ता तय करेगी।

कभी उत्तर प्रदेश का नाम आते ही



बदहाली, अपराध, भ्रष्टाचार और जातीय खींचतान की तस्वीर उभरती थी। उद्योगपति निवेश से कतराते थे। नौजवान रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों का रख करते थे। सड़कों, बिजली और बुनियादी सुविधाओं की कमी ने विकास की रफ्तार रोक रखी थी। इसी वजह से उत्तर प्रदेश को लंबे समय तक इकटअफ्न राज्यों की सूची में गिना जाता रहा।

फिर मार्च 2017 में योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली। करीब एक दशक बाद तस्वीर में कई बदलाव दिखाई देते हैं। एक्सप्रेसवे का जाल फैल रहा है, हवाई अड्डों की संख्या बढ़ी है, निवेश की कोशिशें तेज हुई हैं और कानून-व्यवस्था सरकार के एजेंडे में प्रमुख स्थान पर है।

क्या उत्तर प्रदेश पूरी तरह बदल चुका है? बिल्कुल नहीं। लेकिन 2017 के बाद हुए बदलावों को नजरअंदाज करना भी मुश्किल है।

आयो रे कार्तिक मास! हरि का वास, तुलसी का प्रकाश और संस्कारों का उल्लास

डॉ. दीपक गोस्वामी

आयो रे कार्तिक मास। अपने साथ हरि-भक्ति, तुलसी की सुगंध, दीपदान की आस्था और अंतर्मन को प्रकाशित करने का संदेश लेकर कार्तिक मास आ गया, मित्र! सनातन परंपरा में कार्तिक मास भगवान विष्णु की उपासना, प्रातःस्नान, तुलसी-सेवा, व्रत, जप और दीपदान के लिए विशेष महत्त्व रखता है। पद्म पुराण के कार्तिक-माहात्म्य में इसकी महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। वैष्णव परंपरा में यह भगवान दामोदर की आराधना का विशेष काल है।

कार्तिक केवल पंचांग का एक महीना नहीं, बल्कि संयम, सदाचार, सेवा और आत्मचिंतन का अवसर भी है। प्रातःकाल की शीतल हवा, मंदिरों में गुंजते हरिनाम, नदी के तट पर स्नान करते श्रद्धालु और संध्या में तुलसी के समीप जलता दीपक—ये दृश्य हमारी धार्मिक आस्था के साथ उस सांस्कृतिक चेतना को भी जीवित रखते हैं, जो मनुष्य को प्रकृति, परिवार और समाज से जोड़ती है।

दामोदर लीला: प्रेम के बंधन में परमात्मा

कार्तिक की सबसे भावपूर्ण स्मृतियों में माता यशोदा और बालकृष्ण की दामोदर लीला है। माता अपने नटखट लाला को ऊखल से बाँध देती हैं। जिस भगवान को भक्त अनंत और सर्वव्यापक मानते हैं, वही वास्तव्य के सामने बालक बन जाते हैं।

इस लीला का संदेश सरल है—प्रेम वह शक्ति है, जिसके सामने अहंकार झुक जाता है। इसी भाव से कार्तिक में भगवान दामोदर की पूजा, हरिनाम-स्मरण और दामोदराष्टकम्

का पाठ किया जाता है।

तुलसी: श्रद्धा, प्रकृति और संस्कारों का प्रतीक

वैष्णव परंपरा में तुलसी को भगवान विष्णु की परम प्रिय माना गया है। कार्तिक मास में तुलसी-पूजन, परिक्रमा और उनके समीप दीपदान का विशेष महत्त्व है। तुलसी के पास जलता दीपक केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, घर में शुभता और सद्भाव का प्रतीक भी है। तुलसी की सेवा का व्यावहारिक अर्थ पौधे की देखभाल, स्वच्छता और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता भी है। कार्तिक शुक्ल पक्ष में मनाया जाने वाला तुलसी-विवाह श्रद्धा और लोकसंस्कृति का सुंदर उत्सव है। देवोत्थान एकादशी के अवसर पर भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने की मान्यता से जुड़ी यह परंपरा परिवारों को एकत्र करती है और पीढ़ियों के बीच सांस्कृतिक संबंध मजबूत करती है। तुलसी-शाश्विग्राम विवाह को मंगल और शुभता का प्रतीक माना जाता है। हालाँकि, दंपत्य की सफलता केवल किसी अनुष्ठान पर नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, संवाद, समानता और परस्पर सम्मान पर भी निर्भर करती है।

दीपदान: पितृ-स्मरण से लोककल्याण तक

कार्तिक में तुलसी के समीप, मंदिरों, नदी-तटों और घरों में दीप जलाने की परंपरा है। बाँस पर उँचाई में दीप प्रज्वलित करने की प्रथा को आकाशदीप कहा जाता है। विभिन्न क्षेत्रों में इसका संबंध पितृ-स्मरण और धार्मिक लोकविश्वासों से जुड़ा है।

यमदीप की परंपरा भी परिवार की मंगलकामना और जीवन की सुरक्षा के भाव से जुड़ी है। इन अनुष्ठानों का धार्मिक महत्त्व श्रद्धा के क्षेत्र में है, हर्ष अकाल मृत्यु रोकने अथवा पितरों के मार्ग को प्रकाशित करने के वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित उपाय नहीं माना जा सकता।

दीपदान का व्यापक संदेश यह है कि हम अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ रहें और अपने वर्तमान में दूसरों के लिए प्रकाश बनें। किसी भूख को भोजन देना, निराश व्यक्ति को सहारा देना, जरूरतमंद बच्चे की शिक्षा में सहायता करना और अकेले पड़द का हाल पूछना भी उसी करुणा के व्यावहारिक रूप हैं।

व्रत और सात्विकता: शरीर के साथ मन का अनुशासन

कार्तिक में अनेक श्रद्धालु अपनी परंपरा के अनुसार उपवास, सात्विक भोजन, जप, मोन और आत्मसंयम का पालन करते हैं। कुछ व्रत-विधियों में प्याज, लहसुन, बैंगन तथा अन्य खाद्य पदार्थों का त्याग भी बताया गया है।

इन नियमों का उद्देश्य धार्मिक अनुशासन और इंद्रिय-संयम को सुदृढ़ करने के लिए है। लेकिन यदि उनमें से एक व्यक्ति अपना कचरा दूसरे के घर के सामने डाल दे, तो क्या वह केवल इसलिए सही हो जाएगा क्योंकि उसके अपने घर के सामने सफाई है? शायद नहीं। फिर भी, जीवन में हम कभी-कभी इसी तरह व्यवहार करते हैं। हमें परेशानी तब दिखाई देती है जब उसका असर हम पर पड़ता है।

लेकिन जब वही परेशानी किसी दूसरे के हिस्से आती है, तो हम उसे नजरअंदाज कर देते हैं। किसी की नाली रोक देना, सार्वजनिक जगह पर कचरा फेंकना, सड़क पर नियमों की अनदेखी करना, कतार में किसी का हक छीन लेना या किसी कमजोर व्यक्ति से अपमानजनक व्यवहार करना—ये छोटी घटनाएँ लग सकती हैं। लेकिन इन्हें हमारे नागरिक चरित्र की

252.3 था।

सरकार सांप्रदायिक हिंसा पर नियंत्रण और सुरक्षा में सुधार को भी अपनी उपलब्धि बताती है। दूसरी ओर, मुठभेड़ों, बुलडोजर कार्रवाई और कानूनी प्रक्रिया के पालन पर सवाल उठते रहे हैं। साफ है कि सुरक्षा आम आदमी और निवेशक, दोनों के लिए जरूरी है। लेकिन कानून का राज केवल सख्ती से नहीं चलता। उसमें निष्पक्षता, जवाबदेही और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा भी उतनी ही जरूरी है, कहती हैं सामाजिक कार्यकर्ता पद्मिनी अय्यर। अगर कानून-व्यवस्था ने प्रदेश की छवि बदलने में भूमिका निभाई है, तो बुनियादी ढांचे ने उसके भूगोल को नई शकल दी है।

2017 से पहले उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे का नेटवर्क सीमित था। आज पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं ने कई क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर की है। सड़कों के विस्तार से औद्योगिक केंद्रों, कृषि मंडियों और छोटे शहरों को जोड़ने में मदद मिल रही है।

हवाई संपर्क बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। कई हवाई अड्डे चालू हुए हैं और जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

सीतापुर के रिटायर्ड कॉलेज प्रिंसिपल त्रिपाठी जी कहते हैं, "बिजली आपूर्ति, ग्रामीण सड़कों और शहरी परिवहन में भी सुधार की कोशिशें हुई हैं। कई शहरों में

देश हमसे है, शिकायतों से आगे, जिम्मेदारियों की ओर

टीएनएफ टुडे

किसी देश की पहचान केवल उसके झंडे, झगरातों, सड़कों या उसकी सीमाओं से नहीं होती। उसकी असली पहचान उन लोगों से होती है जो उन सीमाओं के भीतर रहते हैं, एक-दूसरे के साथ व्यवहार करते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा भविष्य छोड़कर जाते हैं। हम अक्सर करते हैं कि हमारा देश आगे बढ़ना चाहिए। हमारे युवाओं को अच्छे अवसर मिलने चाहिए, शहर साफ होने चाहिए, लोग सुरक्षित रहने चाहिए और हर बच्चे को एक बेहतर जीवन मिलना चाहिए। हम चाहते हैं कि दुनिया हमारे देश का सम्मान करे, हमारे युवा नई खोजें करें और हमारा नाम दुनिया के विकसित देशों के साथ लिया जाए। लेकिन कभी-कभी एक सवाल मन में उठता है—जिस बेहतर देश की हम कल्पना करते हैं, उसे बनाने के लिए हम स्वयं कितना बदलने को तैयार हैं? यह सवाल किसी एक व्यक्ति, वर्ग या संस्था पर आरोप लगाने के लिए नहीं है। यह सवाल हम सबके लिए है। क्योंकि देश का भविष्य केवल उन फैसलों से नहीं बनता जो बड़े कमरों में लिए जाते हैं, वह उन छोटे-छोटे फैसलों से भी बनता है जो हम हर दिन अपने घरों, गलियों, स्कूलों, बाजारों और कार्यस्थलों पर लेते हैं। कल्पना कीजिए, एक गली में दो पड़ोसी राहते हैं। दोनों चाहते हैं कि उनकी गली साफ रहे। दोनों चाहते हैं कि उनके घर के सामने पानी न भरे और उनके बच्चों को आने-जाने में परेशानी न हो। लेकिन यदि उनमें से एक व्यक्ति अपना कचरा दूसरे के घर के सामने डाल दे, तो क्या वह केवल इसलिए सही हो जाएगा क्योंकि उसके अपने घर के सामने सफाई है? शायद नहीं। फिर भी, जीवन में हम कभी-कभी इसी तरह व्यवहार करते हैं। हमें परेशानी तब दिखाई देती है जब उसका असर हम पर पड़ता है। लेकिन जब वही परेशानी किसी दूसरे के हिस्से आती है, तो हम उसे नजरअंदाज कर देते हैं। किसी की नाली रोक देना, सार्वजनिक जगह पर कचरा फेंकना, सड़क पर नियमों की अनदेखी करना, कतार में किसी का हक छीन लेना या किसी कमजोर व्यक्ति से अपमानजनक व्यवहार करना—ये छोटी घटनाएँ लग सकती हैं। लेकिन इन्हें हमारे नागरिक चरित्र की



तरुण यादव

बीच भाषा का अंतर है, धर्म का अंतर है, जाति का अंतर है, आर्थिक स्थिति का अंतर है और विचारों का अंतर भी है। ये अंतर अपने आप में समस्या नहीं हैं। किसी समाज की विविधता उसकी ताकत बन सकती है, बशर्ते हम इन अंतरों को एक-दूसरे को छेड़ा दिखाने का कारण न बना लें। दिक्कत तब शुरू होती है जब हम किसी इंसान को उसके व्यवहार से पहले उसकी पहचान के आधार पर परखने लगते हैं। जब हम किसी की बात सुने बिना उसे गलत मान लेते हैं। जब असहमति बातचीत का विषय बनने के बजाय दुश्मनी का कारण बन जाती है। सोचिए, एक ही शहर में रहने वाले दो लोग किसी मुद्दे पर अलग विचार रखते हैं। दोनों अपने विचार को सही मानते हैं। यदि दोनों एक-दूसरे की बात सुनने से ही इनकार कर दें, तो समाधान कहाँ से आएगा? हर बहस में जीतना जरूरी नहीं होता। कभी-कभी दूसरे की बात समझ लेना भी एक बड़ी जीत होती है। एकता का अर्थ यह नहीं कि सबकी सोच एक जैसी हो जाए। एकता का अर्थ है कि सोच अलग होने के बाद भी हम एक-दूसरे के सम्मान और अधिकारों को स्वीकार करें। हम अपने देश से प्रेम करते हैं तो हमें उस देश के लोगों के साथ भी ऐसा व्यवहार करना होगा जिसमें सम्मान, न्याय और ईमानदारी की जगह हो। देशभक्ति केवल ऊँची आवाज में नारे लगाने का नाम नहीं, यह उस व्यक्ति के साथ ईमानदारी से पेश आने में भी दिखाई देती है जिससे हमें कोई लाभ मिलने वाला नहीं है।

लेखक - तरुण यादव

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज से करें!



मार्गदर्शन: आचार्य दीदी डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़ (एस्ट्रो वास्तु शोधनम) मो. 91193336673

शुभकार्य हेतु आज का वंद्रबल

आज मेष मिथुन कर्क वृश्चिक धनु और मीन राशि के जातकों का मानसिक मोनबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। मंगलवार का दिन संकटमोचन श्री हनुमान जी महाराज और भूमि पुत्र मंगल देव की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन हनुमान मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाने तथा बजरंगबली को सिंदूर और चोला अर्पित करने से जीवन के सभी भय दूर होते हैं तथा मंगल दोष और कर्ज के संकटों से आत्मास्थित मुक्ति मिलती है।

मेघ

आज आपकी राशि पर मंगल देव की विशेष कृपा से कार्यक्षेत्र में आपके साहस और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की खुलकर सराहना होगी। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। श्री हनुमान जी को लाल लंगोट और चोला अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और पुराने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। किसी जरूरतमंद को मसूर की दाल दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। सुंदरकांड का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।



कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। गरीबों को मीठी रोटी या गुड़ दान करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। हनुमान चालीसा का पाठ

तुला

आज कला संस्कृति और सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दंपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। हनुमान जी

को बेसन के लड्डू का रोग लगाएँ जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। बजरंग बाण का पाठ करें जिससे आपके सभी विरोधी और शत्रु शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी हठरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। जरूरतमंद विद्यार्थियों को पठन सामग्री दान करें जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। हनुमान मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएँ जिससे

मेट्रो सेवाओं का विस्तार हुआ है। सरकार की विकास रणनीति में बुनियादी ढांचे को खास जगह मिली है।"

2017 के बाद उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आकार काफी बढ़ा है। सरकारी अनुमानों के मुताबिक, सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2016-17 के करीब 13.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में लगभग 30.25 लाख करोड़ रुपये हो गया है, यानी दोगुना से अधिक। सरकार ने निवेश सम्मेलन आयोजित किए, अलग-अलग उद्योगों के लिए नीतियां बनाईं और निवेश मित्र जैसी सिंगल-विंडो व्यवस्था को बढ़ावा दिया।

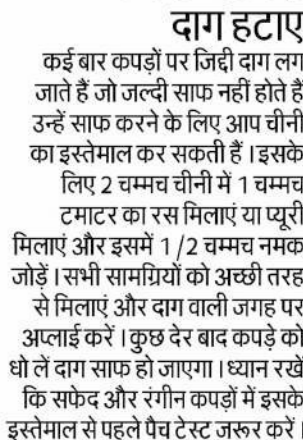
एक जिला, एक उत्पाद योजना का उद्देश्य स्थानीय हुनर और पारंपरिक कारोबार को नए बाजारों से जोड़ना है। हस्तशिल्प, कपड़ा उद्योग और खाद्य उत्पादों के जरिए स्थानीय रोजगार बढ़ाने की कोशिश हो रही है।

नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी संबंधी अनुमानों में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। 2013-14 से 2022-23 के बीच करीब 5.94 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए, देश में सबसे बड़ी संख्या।

2027 का चुनाव इसलिए उपलब्धियों और जवाबदेही, दोनों की परीक्षा होगा।

उत्तर प्रदेश का उभार एक बड़ी संभावना है। लेकिन इस संभावना को हर नागरिक की खुशहाली में बदलना ही असली सुशासन की कसौटी है।

कासगंज। अमापुर थाणा पुलिस ने सर ट्रे के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पुलिस ने सात सौ रुपये की नकदी, सड़क पत्र आदि बरामद की है। अमापुर थाणा प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना ने बताया कि शनिवार की देर शाम थाणा पुलिस ने एटा रोडवॉर से हेरि केशोपुर पुत्र छत्रपाल सिंह निवासी इसंगपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस से सड़क पत्र, सात सौ रुपये की नकदी, डायरी आदि बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध सिविल प्रोसेज दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया है।



भारत बनाम जिम्बाब्वे: हरमनप्रीत ने मिताली को पीछे छोड़ा, दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास



○ **एजेंसी, वडोरा।**

भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 328 रन बनाए। वडोरा के बीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा ने शतकीय पारियां खेलकर भारतीय टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। हरमनप्रीत ने जहां करीब 15 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ा, वहीं दीप्ति शर्मा ने भी तेज शतक लगाकर इतिहास रच दिया। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए हुई 153 रनों की साझेदारी ने भी नया भारतीय रिकॉर्ड कायम किया।

इस मुकाबले में भारतीय महिला क्रिकेट के नाम कई बड़ी उपलब्धियां दर्ज हुईं। हरमनप्रीत वनडे में भारत की दूसरी सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गईं, जबकि दीप्ति ने छठे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए वनडे शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव

हासिल किया।

हरमनप्रीत कौर का 1५ महीने बाद अंतरराष्ट्रीय शतक

भारतीय बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे में 121 गेंदों पर 126 रनों की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 15 चौके लगाए। इसके साथ ही हरमनप्रीत ने करीब 15 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाया। हरमनप्रीत ने इससे पहले 22 जुलाई 2025 को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मुकाबले में 102 रनों की पारी खेली थी। वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम एक शतक दर्ज है, जो उन्होंने 19 जून 2024 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। उस मुकाबले में हरमनप्रीत ने 103 रन की नाबाद पारी खेली थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ यह हरमनप्रीत के वनडे करियर का आठवां शतक रहा। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट में वनडे शतकों के मामले में पूर्व कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया।

सर्वाधिक वनडे शतक लगाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाज

हरमनप्रीत कौर अब भारतीय महिला क्रिकेट में वनडे प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उन्होंने आठ शतक के साथ मिताली राज को पीछे छोड़ दिया है। भारत की ओर से महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड स्मृति मंधाना के नाम है। मंधाना अब तक 14 शतक लगा चुकी हैं। वहीं, हरमनप्रीत के आठ शतकों के बाद मिताली राज सात शतकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

भारतीय महिला खिलाड़ियों के वनडे शतक

स्मृति मंधाना –14 शतक, हरमनप्रीत कौर – 8 शतक, मिताली राज – 7 शतक

दीप्ति शर्मा ने भी जड़ा शतक, बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड

हरमनप्रीत कौर के बाद दीप्ति शर्मा ने भी अपनी बल्लेबाजी से कमाल कर दिया। दीप्ति ने 86 गेंदों पर 106 रनों की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 15 चौके निकले। उन्होंने केवल 83 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इस शतक के साथ दीप्ति शर्मा वनडे क्रिकेट में छठे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गईं। उन्होंने इस मामले में ऋचा घोष का पिछला रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने पिछले साल विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 94 रनों की पारी खेली थी। दीप्ति का यह प्रदर्शन इसलिए भी खास रहा, क्योंकि शुरुआती विकेट जल्दी गिरने के बाद उन्होंने हरमनप्रीत के साथ मिलकर भारतीय पारी को संभाला और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

सबसे तेज वनडे शतक लगाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाज

50 गेंद – स्मृति मंधाना बनाम ऑस्ट्रेलिया, दिल्ली, 2025
70 गेंद – स्मृति मंधाना बनाम आयरलैंड, राजकोट, 2025
77 गेंद – स्मृति मंधाना बनाम ऑस्ट्रेलिया, मुल्लापूर, 2025
82 गेंद – हरमनप्रीत कौर बनाम इंग्लैंड, चेस्टर-ले-स्ट्रीट, 2025
83 गेंद – दीप्ति शर्मा बनाम जिम्बाब्वे, वडोरा, 2026

हरमनप्रीत और दीप्ति की 153 रनों की साझेदारी ने बनाया रिकॉर्ड

हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा ने पांचवें विकेट के लिए 137 गेंदों में 153 रनों की साझेदारी की। यह वनडे क्रिकेट में भारतीय महिला टीम की ओर से पांचवें या उससे निचले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी बन गई। दोनों बल्लेबाजों ने इस साझेदारी के दौरान जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा और भारतीय पारी को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड स्नेह राणा और पूजा वर्माकर के नाम था। दोनों ने 2022 महिला विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ पांचवें विकेट के लिए 122 रन जोड़े थे। हरमनप्रीत और दीप्ति ने 153 रनों की साझेदारी के साथ इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस साझेदारी में दोनों बल्लेबाजों ने शतक लगाकर टीम के स्कोर को 300 रन के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया।

रॉयल अंदाज में रैंप पर उतरीं कृति सेनन



बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री कृति सेनन हाल ही में मशहूर डिजाइनर अभिनव मिश्रा के 'इनटू द वाइल्ड 2026' फैशन शो के लिए रैंप पर उतरीं और अपने खूबसूरत अंदाज से आग लगा दी। कृति इस शो के लिए शोस्टॉपर बनीं। अपने दिलकश और शाही अंदाज के लिए वे तारिफें लूट रही हैं।

कृति की हिरनी सी वाल ने खींचा ध्यान

मिरर वर्क वाली लहंगा ड्रेस पहनकर कृति जब रैंप पर उतरीं तो उनकी हिरनी सी चाल ने लोगों का ध्यान खींच लिया। चेहरे पर मुस्कान और आत्मविश्वास से लबरेज होकर उन्होंने रैंप वांक की।

शोस्टॉपर बनीं कृति सेनन

रैंप पर कृति सेनन चर्चित फैशन डिजाइनर अभिनव मिश्रा के लिए शोस्टॉपर बनीं। बता दें कि कृति ने अभिनव का 'इन टू द वाइल्ड 2026' सालाना काउचर प्रेजेंट किया। इसमें उनके सिग्नेचर मिरर वर्क और नेचर से प्रेरित मोटिफ्स को एक साथ लाया गया। इस ड्रेस के साथ उन्होंने हैवी ज्वेलरी कैरी करके लुक कंपलीट किया।

अभिनव मिश्रा ने कृति की तारीफ में क्या कहा?

अभिनव मिश्रा ने लिखा है, 'हमारी शोस्टॉपर म्यूज कृति सेनन एक शानदार ब्लैक लहंगा पहनकर 'इन टू द वाइल्ड' में आईं। इसमें हमारा सिग्नेचर मिरर वर्क, बारीक हाथ की कढ़ाई, मैटैलिक सजावट और घोड़े की नक्काशी दिखाई गई, यह सब दिल्ली में तारों भरी चांदनी रात में हुआ। कुटूटर, कारीगरी और अचानक होने वाली चीजों की भावना का जश्न मनाने वाली एक शाम के लिए कृति का हमारे साथ होना बहुत खुशी की बात है।

क्रिसमस से प्यार, लेकिन एक जनवरी के बाद नहीं चाहिए जश्न: हिलेरी डफ

अभिनेत्री और गायिका हिलेरी डफ क्रिसमस पर प्यार और उलझन, दोनों महसूस करती हैं। हालांकि, वह इस त्योहार से जुड़ी परंपराओं, संगीत, सजावट और खरीदारी का खूब आनंद लेती हैं, लेकिन चाहती हैं कि इसका उत्साह एक जनवरी तक खत्म भी हो जाए। अब हिलेरी अपने नए ईपी 'हॉलिडे थिंग्स' के जरिए क्रिसमस के इसी खास रंग को लेकर आई हैं। हिलेरी ने इंस्टाग्राम पर अपने नए ईपी के कवर फोटोशूट की कई तस्वीरें

साझा कीं। इसके साथ उन्होंने बताया कि उन्हें क्रिसमस बहुत पसंद है। त्योहार से जुड़ी परंपराएं, गाने, सजावट, गर्म कपड़े पहनना, खरीदारी करना और जिंजरब्रेड से घर बनाना उन्हें काफी पसंद है। हालांकि, वह इस पूरे उत्साह को सीमित समय तक ही रखना चाहती हैं। उन्होंने लिखा, "जो लोग मुझे जानते हैं, वे जानते हैं कि मुझे क्रिसमस और छुट्टियों का मौसम बहुत पसंद है, लेकिन इसके साथ मेरा रिश्ता थोड़ा उलझा हुआ भी है।

मैं क्रिसमस के उत्साह, परंपराओं, संगीत, सजावट, स्वेटर, खरीदारी, जिंजरब्रेड के घरों और ऐसी तमाम चीजों के लिए उत्साहित रहती हूं। लेकिन मैं चाहती हूं कि यह सब एक जनवरी तक खत्म हो जाए और सारी चीजें वापस अटारी में रख दी जाएं।"

हिलेरी ने आगे अपने फैंस से नए ईपी का आनंद लेने की अपील की। उन्होंने कहा, "इस ईपी को खूब सुनें, फिर इसे समेटकर रख दें और आने वाले साल दोबारा इसका आनंद

पडिक्कल और सुदर्शन ने भारत ए को संभाला: राहुल-यशस्वी फिर फ्लॉप, देवदत्त का पचासा

○ **एजेंसी, लंिकन।**

अंशुल कंबोज और आकिब नबी की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन वापसी की। न्यूजीलैंड ए की पहली पारी 317 रन पर ऑलआउट हुई और उसने 204 रनों की बढ़त हासिल की। भारत ए की पहली पारी 113 रन पर ढेर हुई थी। पहली पारी में भारत ए के बल्लेबाज पूरी तरह फ्लॉप साबित हुए थे। देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने शानदार साझेदारी कर दूसरी पारी में भारत ए को संभाले रखा। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ए ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 106 रन बनाए हैं। वह अभी न्यूजीलैंड ए से 98 रन पीछे है।

ओपनिंग जोड़ी फिर फ्लॉप

न्यूजीलैंड ए को पहली पारी में ऑलआउट करने के बाद दूसरी पारी में भी भारत ए की ओपनिंग जोड़ी फ्लॉप रही। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल एक बार फिर सस्ते में आउट हुए। साइमन कीन ने पहले यशस्वी को आउट किया जो पांच रन बनाकर आउट हुए। वहीं, फ्रेजर शीट ने राहुल को पवेलियन की राह दिखाई। राहुल चार रन ही बना सके। इसके बाद सुदर्शन और पडिक्कल ने भारत ए को संभाला। पडिक्कल ने इस दौरान अर्धशतक पूरा किया। स्टंप्स के समय पडिक्कल 89 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 56 और सुदर्शन 104 गेंदों



अच्छी शुरुआत के बाद लड़खड़ाया न्यूजीलैंड ए

भारत ए को सस्ते में ऑलआउट करने के बाद न्यूजीलैंड ए ने मजबूत शुरुआत की। कर्टिस और क्वान रिस मारियू ने पहले विकेट के लिए 132 रनों की साझेदारी कर न्यूजीलैंड ए को बढ़त दिला दी। इन दोनों बल्लेबाजों ने अकेले इतने रन जोड़े जितने भारत ए की पूरी टीम मिलाकर भी नहीं बना सकी। पहले दिन के खेल की समाप्ति से पहले मुकेश ने इस साझेदारी को तोड़ा। मुकेश ने मारियू को अपना शिकार बनाया जो 137 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 76 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आकिब नबी ने अपना दम दिखाया और लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लिए। आकिब ने जेडन लिगॉक्स और टिम रॉबिन्सन को खाता खोले बिना आउट किया। न्यूजीलैंड ए ने दूसरे दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 135 रन से की। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने दबदबा बनाए रखा। कंबोज ने कर्टिस हेफी को आउट किया जो 44 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद उन्होंने मैथ्यू बोयले को अपना शिकार बनाया जो 17 रन ही बना सके। हालांकि, डैन फोक्सक्रॉफ्ट ने अर्धशतक लगाकर टीम की बढ़त को मजबूत किया। फोक्सक्रॉफ्ट को वाशिंगटन सुंदर ने आउट किया जो 51 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड ए के लिए क्रिस्टियन क्लार्क ने 42, मिचेल ने 24, फ्रेजर शीट ने 7 और साइमन कीन ने 4 रन बनाए। वहीं, जैक गिब्सन 6 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ए के लिए अंशुल कंबोज और आकिब नबी ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि आकाश दीप को दो और मुकेश तथा सुंदर को एक-एक विकेट मिला।

भारत ए की पहली पारी

इससे पहले, न्यूजीलैंड ए ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पहली पारी में भारत ए की पहली पारी सस्ते में ऑलआउट हो गई और भारतीय बल्लेबाज अपना दम नहीं दिखा सके। न्यूजीलैंड की सीनियर टीम के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज को देखते हुए ये अनौपचारिक मुकाबला अहम है। भारत ए टीम में कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्हें न्यूजीलैंड की सीनियर टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। लेकिन इनके प्रदर्शन ने भारत की चिंता बढ़ा दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। भारत ए टीम ने यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाज शामिल हैं, लेकिन ये दोनों भी पूरी तरह फ्लॉप साबित हुए। भारत ए की ओर से पहली पारी में यश राठौड़ और देवदत्त पडिक्कल ही कुछ रन बना सके, जबकि अन्य बल्लेबाज पूरी तरह फ्लॉप साबित हुए।

पर पांच चौकों की मदद से 39 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

मौजा ही मौजा: राशि ने पूरी की फिल्म की शूटिंग

साउथ की चर्चित अभिनेत्री राशि खन्ना जल्द ही अक्षय कुमार की फिल्म 'मौजा ही मौजा' में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग उन्होंने पूरी कर ली है और सेट से कुछ झलकियां शेयर करते हुए खुशी जताई

राशि खन्ना ने शेयर किया अपना अनुभव

राशि खन्ना ने आज शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की है। साथ ही लंबा नोट लिखा है। राशि ने लिखा है, 'हर फिल्म की एक कहानी स्क्रीन पर होती है, लेकिन कभी-कभी असली मजा तब आता है, जब कैमरा चल नहीं रहा होता'।

बॉली- बिल्कूल बोरियत नहीं हुई

अभिनेत्री ने आगे लिखा है, 'फिल्म 'मौजा ही मौजा' उन शूट्स में से एक था, जो काम से ज्यादा छुट्टी जैसा लगा। बिना रुके हंसी से लेकर लूडो गेम्स, डंब चारेड्स, कैरम मैच और बीच-बीच में होने वाले सारे पागलपन तक, कभी कोई पल बोरिंग नहीं था।'

अक्षय कुमार-विद्या को कहा शुक्रिया

राशि खन्ना ने आगे कहा, 'अक्षय सर, विद्या मैम और अनीस सर, इस सफर को इतना मजेदार बनाने के

लिए आपका शुक्रिया। फिल्म भले ही पूरी हो गई हो, लेकिन मुझे लगता है कि इस सेट की कहानियां हमें लंबे समय तक हंसाती रहेंगी।'

राशि खन्ना के अन्य प्रोजेक्ट

राशि खन्ना के पास 'मौजा ही मौजा' के अलावा कुछ और प्रोजेक्ट्स भी हैं। वे सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म 'धर्मन' में नजर आएंगी। इसके अलावा क्राइम ड्रामा सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन में भी उन्हें देखा जाएगा।

